निवासियों से संघर्षों, आकांक्षाओं और दैनिक दिनचर्या को समझने के लिए बातचीत

बिरला शिशु विहार के छात्रों ने झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों का किया शैक्षणिक दौरा

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। बिरला शिशु विहार पिलानी के कक्षा 9बी के 37 छात्रों ने एक समूह कार्यक्रम प्रभारी मनोज पंवार एस्कॉर्ट शिक्षिका नीतू सिंह के साथ झुग्गी झोपडी क्षेत्रों का शैक्षणिक दौरा किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, चुनौतियों और वंचित समुदायों के निवासियों के दैनिक जीवन की प्रत्यक्ष समझ प्रदान करना था।

इस भ्रमण का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को सामाजिक असमानताओं के प्रति संवेदनशील बनाना, सहानुभूति को प्रोत्साहित करना और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था। इसने सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए कक्षा में सीखने को

वास्तविक जीवन के अनुभवों के साथ पूरक करने का भी प्रयास किया।

पिलानी स्लम क्षेत्र में पहुंचने पर उन्होंने निवासियों के साथ बातचीत की, उनके संघर्षों, आकांक्षाओं और दैनिक दिनचर्या को समझने के लिए बातचीत की। छात्रों ने प्रत्यक्ष रूप से तंग रहने की जगहों, उचित स्वच्छता सुविधाओं की कमी और साफ पानी तक सीमित पहुंच को देखा। अनेक कठिनाइयों के बावजूद, निवासियों में समुदाय और लचीलेपन की भावना स्पष्ट थी।

पिलानी स्लम क्षेत्र का दौरा एक अमूल्य सीखने का अनुभव साबित हुआ। इससे न केवल सामाजिक मुद्दों के बारे में उनकी समझ समृद्ध हुई बल्कि उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी पैदा हुई। इस तरह की क्षेत्रीय यात्राएं दयालु, सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित होते हैं।

छात्र छात्राओं ने ऊनी वस्त्र एवं खाद्य सामग्री वितरित की साथ ही बिरला शिशु विहार के प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने छात्रा -छात्राओं को प्रायोगिक ज्ञान के महत्व पर विचार प्रदान किये और सभी सदस्यो को इस कार्यक्रम के समापन पर बधाई प्रेषित की।